मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 153, मुंबई, गुरुवार, 21 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
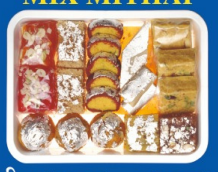
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

सुप्रीम कोर्ट ने दी ऑल्ट न्यूज के फाउंडर को बेल

कोर्ट ने कहा– पत्रकार को लिखने से नहीं रोक सकते, मोहम्मद जुबैर को तुरंत रिहा करें

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। ऑल्ट न्यूज के को फाउंडर मोहम्मद जुबैर को सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने जुबैर को उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी 6 मामलों में अंतरिम जमानत दे दी है। साथ ही यह भी कहा कि उन पर दर्ज सभी एफआईआर मर्ज करके उनकी एक साथ जांच की जाए। सभी एफआईआर दिल्ली पुलिस को ट्रांसफर की जाएं। कोर्ट ने जुबैर की जमानत पर शर्तें लागू करने की मांग खारिज कर दी। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा- हम एक पत्रकार को कैसे बता सकते हैं कि वे क्या लिखें? इससे पहले कोर्ट में यूपी पुलिस ने दावा किया कि जुबैर कोई पत्रकार नहीं हैं। वो सिर्फ एक फैक्ट चेकर हैं। जुबैर ऐसा ट्वीट पोस्ट करते हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो। जो ट्वीट सबसे ज्यादा वायरल होता है, उसका पैसा अधिक मिलता है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मूसेवाला मर्डर में शामिल 2 शार्प शूटर अमृतसर में ढेर

एके-47 से फायरिंग कर रहे थे, 5 घंटे चली मुठभेड़ में मारे गए, पाकिस्तान भागने वाले थे

चंडीगढ़। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर केस में आरोपी 2 गैंगस्टर्स को पंजाब पुलिस ने बुधवार को अमृतसर में मार गिराया। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से 10 किलोमीटर दूर भकना गांव में करीब 5 घंटे एनकाउंटर चला। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

विले पार्ले पूर्व श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में ट्रस्टी के द्वारा किया जा रहा है घोटाला

मंदिर में होटल व पान बीड़ी की दुकानें चलाकर हिंदु धर्म को किया जा रहा है बदनाम

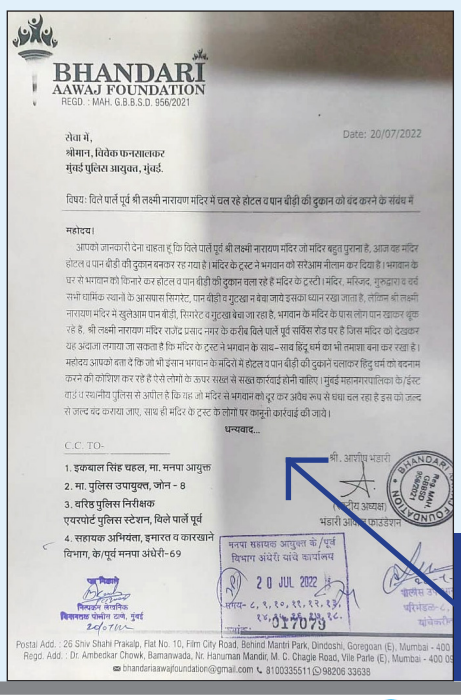

BHANDARI AAWAAJ FOUNDATION
REGD. : MAH. G.B.B.S.D. 956/2021

Date: 20/07/2022

सेवा में,
श्रीमान, विवेक फनसालकर
मुंबई पुलिस आयुक्त, मुंबई.

विषयः विले पार्ले पूर्व श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में चल रहे होटल व पान बीड़ी की दुकान को बंद करने के संबंध में

महोदय।

आपको जानकारी देना चाहता हूं कि विले पार्ले पूर्व श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर जो मंदिर बहुत पुराना है, आज वह मंदिर होटल व पान बीड़ी की दुकान बनकर रह गया है। मंदिर के ट्रस्ट ने भगवान को सरेआम नीलाम कर दिया है। भगवान के घर से भगवान को किनारे कर होटल व पान बीड़ी की दुकान चला रहे हैं मंदिर के ट्रस्टी। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा व चर्च सभी धार्मिक स्थानों के आसपास सिगरेट, पान बीड़ी व गुटखा न बेचा जाये इसका ध्यान रखा जाता है, लेकिन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में खुलेआम पान बीड़ी, सिगरेट व गुटखा बेचा जा रहा है, भगवान के मंदिर के पास लोग पान खाकर थूक रहे हैं, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर राजेंद्र प्रसाद नगर के करीब विले पार्ले पूर्व सर्विस रोड पर है जिस मंदिर को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मंदिर के ट्रस्ट ने भगवान के साथ-साथ हिंदू धर्म का भी तमाशा बना कर रखा है। महोदय आपको बता दें कि जो भी इंसान भगवान के मंदिरों में होटल व पान बीड़ी की दुकानें चलाकर हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं ऐसे लोगों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मुंबई महानगरपालिका के/ईस्ट वार्ड व स्थानीय पुलिस से अपील है कि यह जो मंदिर से भगवान को दूर कर अवैध रूप से धंधा चल रहा है इस को जल्द से जल्द बंद कराया जाए, साथ ही मंदिर के ट्रस्ट के लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाये।

धन्यवाद...

C.C. TO-
1. इकबाल सिंह चहल, मा. मनपा आयुक्त
2. मा. पुलिस उपायुक्त, जोन - 8
3. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन, विले पार्ले पूर्व
4. सहायक अभियंता, इमारत व कारखाने विभाग, के/पूर्व मनपा अंधेरी-69

श्री. आशीष भंडारी
भंडारी आवाज फाउंडेशन

मनपा सहायक आयुक्त के/पूर्व विभाग अंधेरी यांचे कार्यालय
20 JUL 2022
017079

Postal Add. : 26 Shiv Shahi Prakalp, Flat No. 10, Film City Road, Behind Mantri Park, Dindoshi, Goregaon (E), Mumbai - 400
Regd. Add. : Dr. Ambedkar Chowk, Bamanwada, Nr. Hanuman Mandir, M. C. Chagle Road, Vile Parle (E), Mumbai - 400 0
bhandariaawajfoundation@gmail.com 8100335511 98206 33638

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। विले पार्ले पूर्व श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर जो मंदिर बहुत पुराना है, आज वह मंदिर होटल व पान बीड़ी की दुकान बनकर रह गया है। मंदिर के ट्रस्ट ने भगवान को सरेआम नीलाम कर दिया है। भगवान के घर से भगवान को किनारे कर होटल व पान बीड़ी की दुकान चला रहे हैं मंदिर के ट्रस्टी। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा व चर्च सभी धार्मिक स्थानों के आसपास सिगरेट, पान बीड़ी व गुटखा न बेचा जाये इसका ध्यान रखा जाता है, लेकिन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में खुलेआम पान बीड़ी, सिगरेट व गुटखा बेचा जा रहा है, भगवान के मंदिर के पास लोग पान खाकर थूंक रहे हैं,... **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के ट्रस्टी के लिखाफ दिये गये शिकायत पत्र की कॉपी

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

भारतीय मुद्रा की हालत

यह अप्रत्याशित तो नहीं, मगर चिंतित करने वाली खबर जरूर है कि मंगलवार को भारतीय मुद्रा, यानी रुपया अपने निम्नतम स्तर पर आ गया। एक डॉलर के मुकाबले उसकी कीमत 80.05 रुपये आंकी गई। जाहिर है, मुद्रा के मूल्य में किसी गिरावट का असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है और पहले से ही असह्य महंगाई से जूझ रहे आम भारतीय के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। हालांकि, सत्ता में बैठे लोग अब भी कह रहे हैं कि अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में रुपये की स्थिति बहुत बेहतर है, इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था बुनियादी तौर पर मजबूत है। चिंता की बात यह है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खुद लोकसभा में यह माना है कि दिसंबर 2014 से अब तक देश की मुद्रा 25 प्रतिशत तक गिर चुकी है। ऐसे में, महंगाई से फौरन छुटकारा मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि इस गिरावट से आयात महंगा हो जाता है, और विदेशी मुद्रा भंडार भी प्रभावित होता है। ऐसे में, भारतीय रिजर्व बैंक के लिए भी ब्याज दरों को लंबे समय तक नीचे रखना कठिन हो जाएगा। गौर कीजिए, पिछले सात महीनों में ही रुपये में करीब सात फीसदी की गिरावट आ चुकी है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए व्यापक रूप से आयात पर निर्भर है। ऐसे में, रुपये की यह कमजोरी पेट्रो उत्पादों के आयात पर भारी पड़ रही है और अंततः घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल के मूल्य-निर्धारण पर इसका असर पड़ेगा। सरकार की मुश्किल यह है कि दाम बढ़ाने की उसकी कोई भी कवायद विपक्ष को और अधिक हमलावर होने का अवसर मुहैया करा देगी। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर पहली बार जीएसटी लगाए जाने के खिलाफ विरोधी पार्टियां पहले ही संसद से सड़क तक सरकार को घेरने में जुटी हैं। फिर महंगाई और बेरोजगारी आम सरोकार के मुद्दे हैं और तीन महीने बाद ही दो राज्यों- हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन दोनों ही प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में, सरकार के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। श्रीलंका की उथल-पुथल के बाद पाकिस्तान के पंजाब सूबे के हालिया उप-चुनावों के नतीजों ने जाहिर कर दिया है कि इस पूरे उप-महाद्वीप में महंगाई किस कदर निर्णायक रूप लेती जा रही है। रुपये की मौजूदा स्थिति का एक क्षेत्र में फायदा उठाया जा सकता है, और वह है निर्यात का क्षेत्र। लेकिन दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं इस समय भारी अस्थिरता की शिकार हैं, महामारी के बाद यूक्रेन-रूस युद्ध ने विश्व अर्थव्यवस्था की हालत पतली कर दी है। इससे एक तरफ जहां मांग में कमी आई है, तो दूसरी तरफ आपूर्ति श्रृंखला भी बाधित हुई है। फिर भारत खाद्यान्न निर्यात को विस्तार नहीं दे सकता, क्योंकि उसकी अपनी घरेलू जरूरतें बड़ी हैं। हाल में उसे गेहूं निर्यात पर रोक लगानी पड़ी है। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था के नीति-नियंताओं के लिए यह वाकई कठिन परीक्षा की घड़ी है। उन्हें देश के खजाने की मजबूती भी बनाए रखनी है और आम लोगों की थाली का भी ख्याल रखना है। खासकर जरूरी चीजों की महंगाई को नियंत्रण में रखने को लेकर संवेदनशील रुख अपनाए जाने की आवश्यकता है। पिछले डेढ़ दशक के भीतर ही हमारे देश में इस बात के उदाहरण मौजूद हैं, जब गिरने के बाद भारतीय मुद्रा ने अपना मजबूत मुकाम बनाया था। उन तमाम अनुभवों से सबक लेते हुए देश के आर्थिक परिदृश्य को स्थिरता देने की जरूरत है।

एमएसपी की कमेटी तो बनी, होगा क्या?

आंदोलन करने वाले किसान एमएसपी की गारंटी चाहते थे। लेकिन यह कमेटी उस पर विचार नहीं करेगी। हो सकता है कि कमेटी के सामने एमएसपी की गारंटी करने वाले कानून का मुद्दा ही न आए। ध्यान रहे इस साल सरकार ने अनाज की बहुत कम खरीद की है। पिछले साल के मुकाबले लगभग आधी खरीद हुई है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए निजी कारोबारियों ने निर्यात के लिए खूब खरीद की और कई जगह किसानों को एमएसपी से ज्यादा कीमत मिली। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि एमएसपी अप्रासंगिक हो गया। एमएसपी की जरूरत है और आगे भी रहेगी। सरकार की खरीद कम होने के बाद इसकी जरूरत और बढ़ गई है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।

तीन विवादित कृषि कानूनों को वापस लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को किसानों से वादा किया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर किसानों की मांगों पर विचार करने के लिए जल्दी ही एक कमेटी बनाई जाएगी। उस घोषणा के आठ महीने बाद कमेटी बन गई है। वैसे कमेटी का गठन 12 जुलाई को हो गया था लेकिन उसकी अधिसूचना एक हफ्ते बाद 18 जुलाई को सार्वजनिक हुई। कमेटी का जो एजेंडा बनाया गया है और जिस तरह के लोगों को कमेटी में शामिल किया गया है उसे देख कर लग रहा है कि इससे कुछ हासिल नहीं होने वाला है। यह कमेटी एक तरह से किसानों को उलझाए रखने का जरिया बनेगी। जैसे आंदोलन के समय किसानों के साथ सरकार की वाताएं होती थीं और कुछ नतीजा नहीं निकलता था वैसे ही इस कमेटी की वार्ताओं में भी होगा। कमेटी के गठन के साथ ही कई कारण दिख रहे हैं, जिनसे लग रहा है कि यह कमेटी किसानों की मांग के साथ न्याय नहीं कर पाएगी या इसका फेल होना तय है।

सबसे पहला कारण तो यह है कि इसे सरकारी बाबुओं की कमेटी बना दिया गया है। अध्यक्ष के साथ साथ केंद्र व राज्य सरकार के दर्जनों अधिकारी इसके सदस्य होंगे। इसके अध्यक्ष कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव रहे संजय अग्रवाल हैं और उनके साथ साथ नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद को इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। सोचें, रमेश चंद तीनों विवादित कानूनों का मसौदा तैयार करने वालों में थे और संजय अग्रवाल के सचिव रहते उन्हें लागू किया गया था। प्रधानमंत्री द्वारा तीनों कानूनों को वापस लेने की घोषणा से ठीक पहले तक ये दोनों लोग कानूनों का बचाव कर रहे थे। जब प्रधानमंत्री ने बिना शर्त तीनों विवादित कानूनों को वापस ले लिया तब इन्होंने चुप्पी साध ली। लेकिन अब सरकार किसानों की एक अहम मांग पर विचार के लिए कमेटी में इन दोनों को लेकर आई है। सवाल है कि जब किसान आंदोलन के समय हर बार उनके साथ वार्ता राजनीतिक नेतृत्व की हुई तो अब क्यों पूर्व कृषि सचिव वार्ता करेंगे? अगर सरकार गंभीर होती तो कमेटी का नेतृत्व राजनीतिक व्यक्ति को दिया जाता और उसमें सदस्य सचिव की तरह किसी अधिकारी को रखा जा सकता था। इस कमेटी के फेल होने का दूसरा कारण यह है कि इसमें बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को शामिल किया गया है, जो भाजपा या राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ या ऐसे कृषि व सहकारी संगठनों से जुड़े हैं, जो सरकार का समर्थन करती हैं। इसमें संयुक्त किसान मोर्चा के लिए तीन सदस्यों की जगह छोड़ी गई है, जो उनकी ओर से नाम दिए जाने के बाद भरी जाएगी। सवाल है कि जब चार-पांच दूसरे किसान संगठनों के सदस्यों के नाम इसमें शामिल करके उनकी घोषणा कर दी गई है तो उसी तरह कमेटी के गठन से पहले संयुक्त किसान मोर्चा से बात करके उनके तीन नाम लेकर एक साथ ही घोषणा क्यों नहीं की गई? आखिर भारतीय कृषक समाज या शेतकरी संगठन या भारतीय किसान संघ सहित जिन किसान संगठनों के लोगों के नाम घोषित किए गए हैं उनसे भी तो पहले बातचीत हुई होगी? क्या जिन लोगों के नाम घोषित किए गए हैं वे सरकार को अपने अनुकूल लगे इसलिए उनका नाम पहले घोषित हो गया और संयुक्त किसान मोर्चा को बाद के लिए छोड़ दिया गया?

तीसरा कारण यह है कि इस कमेटी में बहुत से लोग सदस्य हैं। इसमें कई दर्जन सदस्य बनाए गए हैं। कई किसान संगठनों के लोग इसमें सदस्य हैं तो कई सहकारी संगठनों के लोगों को भी इसमें शामिल किया गया है। कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय से जुड़े अध्येता, केंद्र सरकार के अधिकारी और राज्य सरकारों के अनेकानेक अधिकारी इसमें शामिल किए गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर जिन अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है वे पदेन हैं। यानी अधिकारी बदलेंगे तो सदस्य बदल जाएगा। सोचें, ऐसी कमेटी क्या काम करेगी? वैसे भी जिस कमेटी में बहुत ज्यादा सदस्य होते हैं वह नतीजे नहीं दे पाती है। इसके फेल होने का चौथा कारण यह है कि इसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है कि कमेटी कब तक सिफारिश करेगी। यानी कमेटी की बैठकें अनंतकाल तक चलती रह सकती हैं। पांचवां कारण यह है कि इसकी सिफारिशें केंद्र सरकार पर बाध्यकारी नहीं हैं यानी कमेटी सिर्फ अनुशंसा करने का काम करेगी और उसे मानना या न मानना सरकार पर निर्भर है। इसके विफल होने का छठा कारण यह है कि कमेटी को सिर्फ एमएसपी पर विचार नहीं करना है, बल्कि कृषि से जुड़े अनेक मसलों पर विचार करना है। आंदोलन करने वाले किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे थे। वे ऐसा कानून बनाने की मांग कर रहे थे, जिसमें यह अनिवार्य किया जाए कि कोई भी कारोबारी, देश में कहीं भी एमएसपी से कम कीमत पर अनाज नहीं खरीद सके। ऐसी खरीद को गैरकानूनी बनाया जाए। लेकिन कमेटी के एजेंडे में एमएसपी की कानूनी गारंटी की बजाय कई दूसरी चीजें शामिल कर दी गई हैं।

कमेटी का एजेंडा अपने आप में इसके विफल होने का एक कारण बनेगा। कमेटी की घोषणा करते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि ह्यजीरो बजट आधारित कृषि को बढ़ाना देने, फसल का पैटर्न बदलने और न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया है'। इसमें लिखा गया है कि कमेटी एमएसपी को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने पर विचार करेगी, जबकि किसान चाहते हैं कि एमएसपी की कानूनी गारंटी देने पर विचार हो। फसलों का पैटर्न बदलने या जीरो बजट कृषि को बढ़ावा देने के मसले पर पहले से काम हो रहा है और किसानों की असली चिंता वह नहीं है। आंदोलन करने वाले किसान एमएसपी की गारंटी चाहते थे। लेकिन यह कमेटी उस पर विचार नहीं करेगी। हो सकता है कि कमेटी के सामने एमएसपी की गारंटी करने वाले कानून का मुद्दा ही न आए। ध्यान रहे इस साल सरकार ने अनाज की बहुत कम खरीद की है। पिछले साल के मुकाबले लगभग आधी खरीद हुई है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए निजी कारोबारियों ने निर्यात के लिए खूब खरीद की और कई जगह किसानों को एमएसपी से ज्यादा कीमत मिली। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि एमएसपी अप्रासंगिक हो गया। एमएसपी की जरूरत है और आगे भी रहेगी। सरकार की खरीद कम होने के बाद इसकी जरूरत और बढ़ गई है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, गुरुवार
21 जुलाई 2022

03

भिवंडी शहर के निसान होटल के पास गिरी एक मंजिला इमारत

6 लोग हुए गंभीर रूप से घायल, एक युवक की हालत गंभीर

संवाददाता/समद खान

भिवंडी। लगातार पिछले दिनों बारिश का कहर ने तबाही मचा दी है कहीं मकानों में जलभरने की खबरें सामने आ रही हैं और कहीं पर सुरक्षा दीवार गिरने की खबरें आ रही है ऐसी ही एक दुर्घटना भिवंडी शहर के निसान होटल के पास हाफिज बाबा दरगाह परिसर की बताई जा रही है आपको बताते चलें गत 19 जुलाई मंगलवार सवेरे 7:00 बजे मुबीन मास्टर नामी एक मंजिला इमारत ढह गई इस इमारत के बारे में बताया जा रहा है पांच वर्ष पहले भिवंडी नगरपालिका द्वारा इस एक मंजिला इमारत को अतिधोखेदायक घोषित कर दिया गया था और तकरीबन इस इमारत को पूरी तरह से खाली कर दिया गया था लेकिन इस इमारत के नीचे एक दुकान में कुछ लोग रहा करते थे इस एक मंजिला इमारत

की बिजली और पानी की लाइन पूरी तरह से काट दी गई थी और 19 जुलाई सवेरे यह जर्जर इमारत ताश के पत्तों की तरह ढह गई इस इमारत का मलबा बगल के मकानों पर गिरने से छ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय रहिवासियों द्वारा रेस्क्यू कर दबे हुए छ लोगों को बाहर निकाला गया और नजदीकी इंदिरा गांधी स्मृति अस्पताल में उपचार हेतु के लिए भर्ती कराया गया फिर उसके बाद में दमकल विभाग को और नगर पालिका को सूचित करने के बाद में दमकल विभाग के कर्मचारियों द्वारा बचाव कार्य शुरू किया गया है घायल हुए छे लोगों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई हैं जिसमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है घायलों के नाम इस प्रकार हैं मोहम्मद जफर आजमुद्दीन शेख वर्ष 20, मोहम्मद सरताज अहमद आसिफ शेख वर्ष 26, मोहम्मद जहांगीर शेख वर्ष 32, मोहम्मद मनसूर निजामुद्दीन शेख वर्ष 30, मोहम्मद साकिब शेख और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है जिसका उपचार अस्पताल में किया जा रहा हैं।

बिजनेसमैन ने कार के अंदर परिवार समेत लगाई आग

लंच करने के बहाने बाहर ले गया और पेट्रोल छिड़का, कारोबारी की मौत, पत्नी- बेटा सुरक्षित

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर में एक बिजनेसमैन ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर परिवार समेत कार को आग लगा दी। जानकारी के मुताबिक, 58 साल के रामराज भट्ट ने मंगलवार को इस घटना को अंजाम दिया। इसके लिए बिजनेसमैन ने परिवार को खाना खाने के लिए बाहर चलने को कहा। बाद में बीच सड़क कार रोक दी और पत्नी, बेटे और खुद पर पेट्रोल छिड़क आग लगा ली। कार में रामराज के साथ 57 साल की पत्नी और 25 साल का बेटा भी सवार था। हादसे में बिजनेसमैन की मौत हो गई, जबकि पत्नी और बेटे ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। दोनों आग से बुरी तरह झुलस गए थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। परिवार के सदस्यों से पूछताछ में पता चला कि रामराज के यह कदम

उठाने की उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। रामराज ने कहा कि वर्धा रोड के एक होटल जाने की बात कही, लेकिन घर से निकलने के बाद उसने गाड़ी दूसरे रूट पर डाल दी और बीच सड़क में जाकर रोक दी। अचानक से पत्नी, बेटे और खुद पर पेट्रोल छिड़कने लगा। पत्नी-बेटे कुछ समझ पाते उससे पहले ही रामराज ने गाड़ी में आग लगा दी। रामराज की मौके पर ही मौत हो गई लेकिन पत्नी और बेटे बच गए।

बिजनेस में घाटे के कारण उठाया कदम

पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूर पर एक प्लास्टिक में लिपटा हुआ व्यापारी का पर्स बरामद हुआ। इसी पर्स के अन्दर से सुसाइड नोट मिला था। इसमें लिखा था कि आर्थिक तंगी के चलते पूरा परिवार सुसाइड कर रहा है। कोरोना महामारी के बाद से ही उन्हें बिजनेस घाटे में घाटा हो रहा था। इसी वजह से वह ऐसा कदम उठा रहे हैं। हालांकि, पुलिस अन्य एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। सुसाइड नोट कन्नड़ और अंग्रेजी में लिखा गया था। स्थानीय लोगों से पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक, रामराज का नट-बोल्ट मैन्युफैक्चरिंग का बिजनेस था।

पहले जहर देकर मारने का प्रयास किया: नागपुर पुलिस के इंस्पेक्टर चंद्रकांत यादव ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि रामराज ने पहले एसिडिटी की दवा बताकर पत्नी और बेटे को जहर देने का भी प्रयास किया था। थोड़ा सा पीने के बाद महिला ने मना कर दिया, इसके बाद उन्होंने अपने और पत्नी-बेटे के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

1 अगस्त को नए फ्लैट में शिफ्ट होने वाला था परिवार: जानकारी के अनुसार, यह परिवार नागपुर के शिवप्रिया टावर अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 401 में किराए पर रह रहा था। रामराज ने एक फ्लैट भी खरीदा था, वे एक 1 अगस्त को यहां रहने के लिए जाने वाले थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

विले पार्ले पूर्व श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में ट्रस्टी के द्वारा किया जा रहा है घोटाला

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर राजेंद्र प्रसाद नगर के करीब विले पार्ले पूर्व सर्विस रोड पर है जिस मंदिर को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मंदिर के ट्रस्ट ने भगवान के साथ-साथ हिंदू धर्म का भी तमाशा बना कर रखा है। भंडारी आवाज फाउंडेशन का कहना है कि जो भी इंसान भगवान के मंदिरों में होटल व पान बीड़ी की दुकानें चलाकर हिंदु धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं ऐसे लोगों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मुंबई महानगरपालिका के/ईस्ट वार्ड से अपील है कि यह जो मंदिर से भगवान को दूर कर अवैध रूप से धंधा चल रहा है इस को जल्द से जल्द बंद कराया जाए, साथ ही मंदिर के ट्रस्ट के लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाये।

सुप्रीम कोर्ट ने दी ऑल्ट न्यूज के फाउंडर को बेल

कोर्ट ने कहा कि जुबैर पर आगे दर्ज होने वाली सभी एफआईआर की जांच भी दिल्ली पुलिस ही करेगी। कोर्ट ने जुबैर से कहा कि अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द कराने के लिए वह दिल्ली हाईकोर्ट में जाएं। जुबैर को 20 हजार के निजी मुचलके पर जमानत दी गई है। उन्हें दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में बेल बॉन्ड भरना होगा। जस्टिस चंद्रचूड़ ने स्टाफ से कोर्ट ऑर्डर जल्द तैयार करने को कहा, ताकि वे घर जाने से पहले उस पर हस्ताक्षर कर सकें। जुबैर पर कुल 7 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से 6 उत्तर प्रदेश में दर्ज हैं। वो दिल्ली, सीतापुर, हाथरस और लखीमपुर में दर्ज केस में कस्टडी में हैं। जुबैर 2018 के ट्वीट केस में बेल के लिए दिल्ली की अदालत पहुंचे थे, लेकिन धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले में उत्तर प्रदेश की हाथरस कोर्ट ने 14 जुलाई को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इसके मुताबिक जुबैर को 27 जुलाई तक जेल में ही रहना था। जुबैर ने फिल्म निमार्ता ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म किसी से ना कहना का एक क्लिप शेयर किया था। इसमें एक होटल के बाहर बोर्ड नजर आ रहा है, जिस पर हिंदी में हनुमान होटल लिखा हुआ था। हालांकि उस बोर्ड पर पेंट के निशान से पता चलता है कि इसे पहले हनीमून होटल कहा जाता था और फिर हनीमून को बदलकर हनुमान कर दिया गया। जुबैर ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा था बिफोर 2014 हनीमून होटल, आफ्टर 2014 हनुमान होटल। इस पोस्ट के जरिए जुबैर पर धार्मिक भावनाएं भड़काने समेत षड्यंत्र करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जुबैर को 27 जून को अरेस्ट किया था। दिल्ली पुलिस ने 2 जुलाई को पटियाला कोर्ट में जुबैर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाया था। पुलिस ने कहा था कि जुबैर को पाकिस्तान और सीरिया जैसे देशों से फंडिंग हो रही थी। दिल्ली पुलिस के वकील ने इस दौरान कहा था कि आरोपी शातिर है और सबूत मिटाने में माहिर है। आरोपी ने मोबाइल से बहुत सारे सबूत मिटा दिए हैं, जिस वजह से जांच में दिक्कतें हो रही हैं। आरोपी प्रवदा मीडिया हाउस का डायरेक्टर भी है।

मूसेवाला मर्डर में शामिल 2 शार्प शूटर अमृतसर में ढेर

मरने वाले गैंगस्टर्स के नाम जगरूप सिंह रूपा और मनप्रीत मन्नू हैं। इस ऑपरेशन में 3 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के एडीजीपी प्रमोद बान ने कहा कि हम कुछ दिनों से सिद्धू मूसेवाला मर्डर के आरोपियों का पीछा कर रहे थे। हमारी टास्क फोर्स ने इस इलाके में कुछ मूवमेंट देखी। सीक्रेट इन्फॉर्मेशन मिलने के बाद मर्डर में शामिल 2 गैंगस्टर्स जगरूप सिंह रूपा और मनप्रीत सिंह को एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। टीम ने गैंगस्टर्स के पास से एक एके-47 और एक पिस्टल भी बरामद की है।

शॉर्ट वीडियो ऐप जय भीम ने दुबई में 4 कॉन्टेस्ट विजेताओं को किया सम्मानित

मुंबई। तेजी से लोकप्रिय हो रहे शॉर्ट वीडियो ऐप जय भीम की ओर से ऐप से जुड़ने वाले युवाओं के लिए समय-समय पर विशेष तरह के कार्यक्रम व तरह-तरह के आयोजन किये जाते हैं। मगर इस बार जय भीम ऐप के शॉर्ट वीडियो कॉन्टेस्ट के कुल 4 विजेताओं को ऐप की ओर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए एक ऐसे खास आयोजन में शामिल होने का मौका मिला, जिसे वे कभी भी नहीं भुला पाएंगे। हाल ही में मिड-डे इंटरनैशनल शोबिज अवॉर्ड्स का आयोजन दुबई में किया गया था जहां पर जय भीम ऐप की ओर से आयोजित शॉर्ट वीडियो कॉन्टेस्ट के 4 विनर्स को सम्मानित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में बॉलीवुड समेत कई गणमान्य हस्तियां भी मौजूद थीं। जय भीम ऐप की ओर से आयोजित प्रतियोगिता के जिन इंफ्लूएंसर्स को सम्मानित किया गया, उनके नाम हैं राजा नायडू, ऋषभ मोरे, शिवानी कांबले और श्रद्धा पवार। गौर करनेवाली बात है कि सभी विजेताओं को दुबई में हुए इस कार्यक्रम में महज सम्मानित ही नहीं किया गया, बल्कि भव्य मंच पर उन्हें ऐसा मौका भी मिला जो चारों विजेताओं

के लिए एक अद्भुत अनुभव साबित हुआ। विजेताओं को जय भीम ऐप के विशेष ऐन्थम पर बॉलीवुड हस्तियों के सामने परफॉर्म करने का सुनहरा अवसर भी हासिल हुआ। गौर करनेवाली बात है कि जिन चार विजेताओं को दुबई में सम्मानित करने के लिए ले जाया गया था, उनमें से तीन विजेताओं के पास पासपोर्ट तक नहीं था! ऐसे में जय भीम ऐप ने बाकी तीन विजेताओं का पासपोर्ट बनवाने का बीड़ा उठाया और फिर चारों को दुबई ले जाने और उनके रहने-खाने की व्यवस्था करने की ज़िम्मेदारी भी निभाई। बता दें कि हाल ही में इंटरकॉन्टिनेंटल दुबई फेस्टिवल सिटी के एक 5 सितारा होटल में मिड-डे शोबिज इंटरनैशनल अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया था। इस विशेष अवसर पर बॉलीवुड की हस्तियों में वाणी कपूर, परिणीति चोपड़ा, ईशा गुप्ता, ईशा कोप्पिकर, राखी सावंत के अलावा अमृता फडणवीस भी मौजूद थीं। उल्लेखनीय है कि दुबई में मिड-डे इंटरनैशनल शो-बिज अवॉर्ड्स कार्यक्रम में जय भीम ऐप के सीईओ गिरिश वानखेड़े को बेस्ट आइकॉनिक सीईओ ऑफ द ईयर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के चारों विजेताओं ने दुबई में मिले इस सम्मान के लिए जय भीम ऐप के संस्थापक और सीईओ गिरिश वानखेड़े का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इतने भव्य मंच पर हुए इस रोमांचित करनेवाले अनुभव को कभी नहीं भूला सकेंगे। राजा नायडू ने इस मौके पर अपनी खुशी जताते हुए कहा, ऐसा नहीं है कि देश में प्रतिभा की कोई कमी है। अपना हुनर दिखाने के लिए लोगों को बस मौका मिलने की देर है। जय भीम ऐप ने हमें ऐसा ही एक मंच प्रदान किया जिसके चलते हमें दुबई जाने, वहां पर सम्मानित होने और परफॉर्म करने का मौका मिला। ऋषभ मोरे ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, आज अगर जय भीम ऐप नहीं होता, तो हम उससे जुड़ते नहीं, ये कॉन्टेस्ट नहीं होता और ऐसे में हम दुबई में दुनिया के सामने इस मंच पर खड़े होकर ना सम्मान हासिल कर रहे होते और ना ही हमें परफॉर्म करने का मौका ही मिलता। शिवानी कांबले ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, हमारे पास तो दुबई जाने के लिए पासपोर्ट तक नहीं था। हमने कभी नहीं सोचा था कि हमें देश के बाहर जाकर इस तरह से सम्मानित होने का मौका मिलेगा। लेकिन गिरिश वानखेड़े सर की बदौलत ये सबकुछ संभव हुआ। श्रद्धा पवार बोलीं, जय भीम ऐप से जुड़ते हुए कभी हमने कल्पना भी नहीं की थी कि हमें ऐप के जरिए इस कदर बढ़िया अवसर मिलेगा कि हम कॉन्टेस्ट विनर बनकर लोगों के सामने पुरस्कार प्राप्त कर रहे होंगे और मशहूर हस्तियों के सामने खड़े होकर परफॉर्म कर रहे होंगे। इसके लिए जय भीम ऐप और गिरिश वानखेड़े सर का जितना भी शुक्रिया अदा किया जाए, वो कम होगा।

◆ महाराष्ट्र विधान में विधानसभा सभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मुलाकात करते महाराष्ट्र भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता।

पैसे मांगने पर ठेकेदार को जिंदा जलाया

कानपुर। कानपुर में हत्या का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। वहां चकेरी इलाके में शैलेंद्र श्रीवास्तव नाम के एक बिल्डर पर ठेकेदार राजेंद्र पाल को पेट्रोल डालकर जिंदा जला देने का बेहद संगीन आरोप लगा है। घटना में ठेकेदार राजेंद्र की मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। हालांकि पुलिस ने आरोपी बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया है।

मुक्ति मानव जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य हैं: डॉ. राम चंद्र

('मुक्ति के साधन' पर आर्य गोष्ठी संपन्न)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'मुक्ति के साधन' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 419 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र ने मुक्ति के स्वरूप एवं उसके साधनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुक्ति जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है। मुक्ति की स्थिति में व्यक्ति सांसारिक दुखों से पूरी तरह मुक्त हो जाता है। मुक्ति की उच्चतम स्थिति को प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन के हमारे क्रिया - कलाप की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।जब व्यक्ति प्रकृति के नियमों का पालन करता है तथा अधर्म, अविद्या,कुसंग एवं कुसंस्कारों से दूर रहता है इसके साथ साथ सत्य भाषण,परोपकार,विद्या एवं धर्म की वृद्धि का पूरी तन्मयता से प्रयास करता है तो उसका जीवन मुक्ति की ओर अग्रसर होता है। मुक्ति की इस साधना को प्राप्त करने के लिए ईश्वर की स्तुति, प्रार्थना एवं उपासना की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महर्षि दयानन्द सरस्वती के अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि मुक्ति के साधनों के नियमित अभ्यास से हमारे नियमित जीवन के सभी प्रकार के क्लेश एवं तनाव पूरी तरह समाप्त हो जाते हैं। आज के समय में ईश्वर भक्ति का सच्चा स्वरूप समाप्त हो रहा है और केवल बाह्य आडम्बर बढ रहा है इसी कारण समाज में पारस्परिक अविश्वास और समस्याएं भी बढ रहीं हैं।अष्टांग योग की साधना का सच्चा साधक स्वयं भी प्रसन्न रहता है और समाज में भी निष्काम कर्म के द्वारा स्वस्थ वातावरण तैयार करता है। मुक्ति के साधनों में षट्क सम्पत्ति के रूप में शास्त्रों

में वर्णित शम, दम, उपरति,तितिक्षा, श्रद्धा एवं समाधान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ईश्वर का सच्चा साधक पर्वत के समान कष्ट आने पर भी घबराता नहीं है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि निष्काम सेवा कर्म ही मुक्ति का प्रथम चरण है। मुख्य अतिथि आनन्द सिंह आर्य (करनाल) व अध्यक्ष रजनी चुघ ने भी मुक्ति के साधनों पर चर्चा की। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने वेदानुकूल जीवन पथ पर अग्रसर होते हुए परोपकार के कार्यों यज्ञ योग को मुक्ति का साधन बताया।गायिका प्रवीना ठक्कर, कमलेश चांदना, कौशल्या अरोड़ा, ईश्वर देवी, कमला हंस, रजनी गर्ग, दीप्ति सपरा, कुसुम भंडारी, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, सुनीता अरोड़ा, आशा आर्या, संतोष धर आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

महा मुंबई कबड्डी लीग में जानीमानी कम्पनियों का समावेश

मुंबई। महा मुंबई कबड्डी लीग पहले दिन से ही एक बहूचर्चित महा प्रतियोगिता रही है। मुंबई के कबड्डी टैलेंट को नया मंच दिलानेवाली इस लिगको अब स्पोर्ट्स इंडस्ट्री के जानेमाने कम्पनियोंका समर्थन मिल रहा हैं। बड़ी कम्पनिया इस लीगसे जुड़ रही है और इस लीग के फ्रैंचाइजी में इन्वेस्ट कर रही है। ऐसा ही एक नाम यानि मारवाह स्पोर्ट्स। मारवाह ग्रुप की स्पोर्ट्स कंपनि, मारवाह स्पोर्ट्स ने एमएमकेएल में एक मेन्स और एक वोमेन्स, ऐसी २ फ्रैंचाइजी, 'मुंबई अल्ट्रास कबड्डी क्लब' के नाम से खरीदी है। मुंबई अल्ट्रास फ्रैंचाइजी के अलावा, विभिन्न कंपनियों ने एमएमकेएल में और फ्रैंचाइजी खरीदी है। महा मुंबई कबड्डी लीग के द्वारा मुंबई शहर में कबड्डी का महासंग्राम होने जा रहा है और इस वजह से बड़े बड़े ब्रांड्स भी इस प्रतियोगिता पर एपीआई नजर जमाए हुए हैं। माय टीम11 और स्पोर्ट टायगर जैसे नाम इस लीग से सपोर्ट पार्टनर्स के तौर पर जुड़ गए है। एमएमकेएल की ट्रायल्स राउंड पूरी हो चुकी और खिलाडी चुनने का आखरी पड़ाव, ऑक्शन राउंड २३ जुलाई २०२२ को आयोजित कीया गया

है। इस पड़ाव के अंत में एमएमकेल में शामिल हुए सभी खिलाडी और सभी टीम्स की जानकारी हमें मिलेगी। महा मुंबई कबड्डी लीग ऑगस्ट २०२२ में शुरू होनेवाली है और आनेवाले हफ़्तों में इस लीग के बारे में और दिलचस्प जानकारी हमे मिल सकती है।

शाहबाद क्षेत्र में रात को कमरे में लगी आग नहीं छू सकी कुरान और हदीस को, कमरे में रखा सामान जलकर हुआ राख

संवाददाता/आसिम अजीज/ आसिम अजीज

रामपुर। रामपुर की तहसील शाहबाद क्षेत्र में रात को कमरे में लगी आग नहीं छू सकी कुरान और हदीस को कमरे में रखा सामान जलकर हुआ राख। बाल्टी से पानी डालकर आग पर बमुश्किल तमाम पाया काबू। शाहबाद के मोहल्ला अफगानांन के रहने वाले फसाहत अली खां सिलाई का काम करते हैं। बीते रात शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई जिससे कमरे में रखा सामान सोफा, बेड, प्रेस, फ्रिज, एलईडी और कपड़े जलकर राख हो गए वही कवर्ड में रखा कुरान और हदीस को आग छू नहीं सकी। फसाहत अली खा ने बताया कि घर के सारे लोग बाहर सोए हुए थे। पत्नी मायके रामपुर गई हुई थी। और वह दालान में सो रहे थे। लगभग रात के 2 बजे बाहर सो रही भाभी के जागने पर पता चला कि कमरे में आग लग गई है। आग इतनी भीषण थी उसने कमरे में रखे सामान को जला दिया वही लपटों ने बाहर दालान में भी लगे एलईडी बल्ब को जला दिया छत में लगी

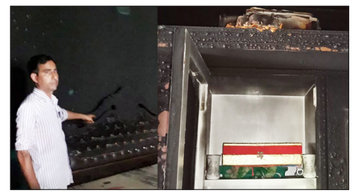

शील्ड कमरे में रखा सोफा, बेड, कपड़े, प्रेस, एलईडी आदि सब जलकर राख हो गए वहीं कवर्ड में रखा कुरान और हदीस महफूज रहे। फसाहत अली खा ने बताया कि दमकल विभाग को फोन नहीं किया था क्योंकि दमकल विभाग की नई बिल्डिंग लक्खी बाग के पास बन रही है। मैंने सोचा शायद यह सुविधा अभी यहां नहीं होगी। आग की लपटों को देखकर घर में चीख-पुकार मच गई शोर सुनकर पड़ोसी लो आ गए और सब ने मिलकर बाल्टी में पानी भर कर आग पर काबू पाया। लगभग ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान के कपड़े भी घर पर थे वह भी जलकर राख हो गए लेकिन आग की चपेट में घर का कोई बंदा नहीं आया है।

'कॉन्फ्रेंस ऑन एडेप्टिंग टू क्लाइमेट चेंज इन आर्कटिक' का आयोजन संपन्न

मुंबई। सेंट पीटर्सबर्ग में हाल ही में 'कॉन्फ्रेंस ऑन एडेप्टिंग टू क्लाइमेट चेंज इन द आर्कटिक' का आयोजन किया गया। 2021-23 के दौरान आर्कटिक काउंसिल की रूस की चेयरमैनशिप में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रमों के प्लान के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का संचालन रॉसकांग्रेस फाउंडेशन द्वारा किया। रूस के प्राकृतिक संसाधन और इकोलॉजी मामलों के उप मंत्री सर्गेई ने रूस के वैज्ञानिक द्वारा जुटाए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि रूस में वॉर्मिंग की दर ग्लोबल एवरेज से 2.5 गुनी ज्यादा है। वहीं, आर्कटिक में यह चार गुनी से ज्यादा है। तापमान बढ़ने के बाद समुद्री बर्फ निश्चित तौर पर पिघलता है। 1996 से 2005 के बीच समुद्री आइस कवर में तीन गुना से ज्यादा की कमी देखने को मिली है। उप मंत्री ने जलवायु से जुड़ी परिस्थितियों का रशियन नॉर्थ में रहने वाले लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव के संदर्भ में ये बात कही। पर्माफ्रॉस्ट में गिरावट और तापमान में वृद्धि की वजह से भवनों और अन्य इमारतों की स्थिति की निगरानी की

व्यवस्था में सुधार, बहुत अधिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में कमी लाना और आग की बढ़ती आशंका को देखते हुए तैयारी जरूरी हो गया है। एनेपीन्को ने कहा, हम रातोंरात जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) को नहीं रोक सकते हैं। हम जलवायु के असली हालात को लेकर उपलब्ध सभी तरह की जानकारी और डेटा को बहुत सावधानीपूर्वक इकट्ठा कर रहे हैं और इस आधार पर हम भविष्य को लेकर अनुमान लगा रहे हैं। इस डेटा के आधार पर एडेप्शन से जुड़े कदम उठाए जा सकते हैं। संघीय, क्षेत्रीय और म्युनिसिपल के स्तर पर साथ मिलकर हमारे द्वारा किए जाने वाले काम से हमें सफलता मिल सकती है। रूस के विदेश मंत्रालय के अम्बैस्डर-एट-लार्ज और आर्कटिक काउंसिल के सीनियर आर्कटिक ऑफिशियल्स के चेयरमैन निकोलय कोरचुनोव ने कहा कि जलवायु का मुद्दा 2021 से 2030 के आर्कटिक काउंसिल स्ट्रेटेजिक प्लान में प्रमुखता से शामिल है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि, उन्होंने जोर देकर कहा कि आर्कटिक का पर्यावरण ना सिर्फ आर्कटिक देशों बल्कि दुनियाभर की आर्थिक गतिविधियों की वजह से क्षेत्र में होने वाले जलवायु परिवर्तन को लेकर भी काफी संवेदनशील है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आर्कटिक काउंसिल के मौजूदा चेयरमैन के रूप में रूस पर्यावरण के संरक्षण वाले प्रोजेक्ट्स और मूल निवासियों के इलाके में काम करने वाले बिजनेसेज की संभावनाओं के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल के जरिए आर्कटिक के मूल निवासियों के जीवन के परंपरागत तरीकों से संरक्षण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक करोड़ की स्मैक के साथ एसटीएफ ने एक को दबोचा

मणिपुर, दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में तस्करी करता था कुंवरसेन

संवाददाता/अरमान उल हक

यूपी/हरदोई। कछौना थाना क्षेत्र में गांजा मादक पदार्थ बड़े पैमाने पर बिक्री हो रहा है। मादक पदार्थों की बड़े पैमाने पर बिक्री की सूचना पर अपराध नियंत्रण पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी के नेतृत्व में कछौना पुलिस व एसटीएफ टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। बुधवार को कछौना पुलिस व एसटीएफ टीम द्वारा ग्राम कटियामऊ मोड़ पर मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक सफेद रंग की मारुति डिजायर कार हरदोई की तरफ से आ रही हैं। पुलिस टीम द्वारा रोकने पर मारुति चालक कार रोककर भाग खड़ा हुआ जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पकड़े गए युवक ने अपना नाम कुंवर सेन पुत्र नन्हे लाल निवासी ग्राम गंगपुर थाना बीसलपुर जनपद पीलीभीत बताया। कार में जांच के दौरान भारी मात्रा में स्मैक मिली। मारुति कार यूपी० 25 एजे 5170 के चालक की सीट के नीचे दो पॉलिथीन सिल्वर रंग की गन्धहीन, स्वादहीन पाउडर बरामद हुआ, जिसका वजन एक किलोग्राम हैं। पकड़े गए युवक ने बताया यह स्मैक है। वह बरेली निवासी आसिफ से खरीद कर लखनऊ निवासी सुनील को बेचने जा रहा था। तस्कर बरेली बदायूं पीलीभीत आदि शहरों में तस्करी करते हैं, तस्कर छोटे-बड़े वाहनों में सामान के बीच छिपाकर असम व मणिपुर राज्य से पश्चिमी यूपी, पंजाब, दिल्ली व अन्य राज्यों में भी बेचते है। जिससे युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आकर आर्थिक व शारीरिक नुकसान कर रही हैं। एक बार नशे की गिरफ्त में आने पर युवा अपराध की दुनिया में चले जाते हैं। सूत्रों के मुताबिक कछौना में ढाबा व चाय की दुकानों पर धड़ल्ले से गांजा की पुड़िया बिक्री हो रही है। पकड़े गए अभियुक्त के खिलाफ अपराध संख्या 317/22 धारा

8/21/23ग/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए कछौना पुलिस व एसटीएफ ने जेल भेज दिया है। पकड़ी गई एक किलोग्राम स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपये है। गिरफ्तार करने वाली टीम में क्षेत्राधिकारी बघौली विकास जायसवाल, प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह, दिलीप कुमार तिवारी, पुष्कर वर्मा, अंजनी यादव, संतोष एसटीएफ, रामबरन यादव, रोहित कुमार, अमन सिंह, अशोक राजपूत, कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से एक किलोग्राम स्मैक व स्विफ्ट डिजायर कार पुलिस ने बरामद की है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि एसटीएफ लखनऊ व कछौना पुलिस चेकिंग में मुस्तैद थी, इसी दौरान एक कार आती हुई दिखाई दी, जिसे पुलिस ने संदिह होने पर रोकने का प्रयास किया। जिस पर आरोपी कुंवरसेन भागने लगा, जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। जिसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि कार के स्मैक है इसीलिए वह भाग रहा था। पुलिस को तलाशी में एक किग्रा. स्मैक मिली है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। राजपत्रित अधिकारी क्षेत्राधिकारी बघौली की पूछताछ में आरोपी कुंवरसेन ने बताया कि वह बरेली के आसिफ से स्मैक खरीदकर लखनऊ के सुनील को बेचने जा रहा था। तस्कर कई राज्यों में स्मैक के बिक्री का कार्य करता था। जिसमें उसके कई साथी इन्वॉल्व है, और वह मणिपुर, दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में स्मैक की तस्करी करता था। जिसका मुनाफा वह अपने पूरे गिरोह में बराबर-बराबर बांटता था। जिसे पुलिस ने कार सहित गिरफ्तार किया है, मुकदमा दर्ज कर आरोपी कुंवरसेन को जेल भेजा जा रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

घर के बहार खेलते हुए डेढ़ साल के बच्चे की नाली में गिरने से दर्दनाक मौत

सभी माता पिता से विनम्र अपील बच्चों का रखे खासतौर से ध्यान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर में नयाशहर थाना इलाके में डेढ साल के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। बच्चा घर के आगे खेलते हुए औंधे मुंह नाली में जा गिरा। काफी देर तक घर वालों ने संभाला ही नहीं। जब उसकी याद आई तो आसपास पड़ौस में ढूंढने लगे। घर की कुंडी भी संभाली लेकिन तीन साल की बहन ने बताया कि वो नाली में गिरा पड़ा है। उसे तुरंत पीबीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से जनता प्याऊ के पास रहने वाले इस परिवार ने कुछ समय पहले ही रघुनाथसर कुएं के पास घर किराए पर लिया था। पीयूष नाम का डेढ़ साल का बच्चा काफी चंचल था तो पड़ौसी भी उसे खिलाने ले जाते थे। मंगलवार रात करीब आठ बजे घर वालों ने देखा कि पीयूष नजर नहीं आ रहा है। उसे ढूंढते हुए पड़ौसियों के यहां पहुंचे लेकिन कहीं नही मिला। अनहोनी की आशंका में

कुंडी भी देखी लेकिन पीयूष वहां नहीं था। किसी का भी ध्यान घर के आगे उस नाली पर नहीं गया, जहां वो औंधे मुंह गिरा पड़ा था। पीयूष की तीन साल की बहन ने सबसे पहले उसे देखा। उसी ने घर वालों को बताया कि वो वहां गिरा पड़ा है। इस पर परिजन उसे तुरंत पीबीएम अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। पीयूष का शव रात को मोर्चरी में रखा गया। पीयूष के परिचित पेंटर मनोज व्यास ने बताया कि बुधवार सुबह पुलिस कार्रवाई के बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। कोरोना काल में हुई पिता की मौत मृतक पीयूष व्यास के पिता विजय शंकर व्यास की कोरोना में मौत हो गई थी। उसके दो और बहने हैं। जनता प्याऊ का मकान छोड़कर इन लोगों ने रघुनाथसर कुए के पास एक मकान किराए पर ले लिया था। घटना के बाद से पीयूष की मां का रो रोकर बुरा हाल है। वो उसका इकलौता बेटा था और वो भी अब इस दुनिया से विदा हो गया।

यूपी के डिप्टी सीएम ने कानपुर में किया विख्यात कार्डियक सर्जन डॉक्टर राकेश वर्मा को सम्मानित

आज तक एक भी दिन का अवकाश नहीं लेने के साथ ही 24 हजार से ज्यादा लोगों की जान बचाने, प्रतिवर्ष कम से कम 70000 हृदय रोगियों को देखकर अपनी संतोषजनक का लाभ पहुंचाने का भी रिकार्ड डॉ राकेश वर्मा के नाम

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां यूपी के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने सामाजिक स्तर पर चिकित्सा कार्यों और सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अवॉर्ड डाक्टरों का मान और हौसला बढ़ाया। इसके लिए यहां के होटल लैंडमार्क में 'सम्मान समर्पण का' के नाम से भव्य समारोह का आयोजन किया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि जनसेवा के प्रति समर्पित वरिष्ठ भाजपा नेता तथा हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाले यूपी के बेहद लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक शामिल हुए। यहां उनके द्वारा अवार्ड पाने वालों में एक सुविख्यात और प्रशंसनीय नाम जाने-माने विशेषज्ञ और कार्डियक सर्जन और हृदय रोग संस्थान में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर राकेश वर्मा का भी रहा। यह देश प्रदेश के सुविख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ अभूतपूर्व चिकित्सकीय दक्षता वाले वही डाक्टर राकेश वर्मा हैं, जो इसके पहले

भी राष्ट्रीय स्तर के अनगिनत पुरस्कारों, प्रशस्ति प्रमाण पत्रों से सम्मानित किए जा चुके हैं। यही नहीं सन 2004 में भारत सरकार द्वारा भी उन्हें सराहना की सर्वोच्च शब्दावली सर्टिफिकेट से भी नवाजा जा चुका है। जनसेवा के प्रति हृदय से समर्पित वह भारत के मात्र ऐसे महा कर्मयोगी डॉक्टर हैं, जिन्होंने कानपुर कार्डियोलाजी में 1997 से अब तक के सेवाकाल में आज तक एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया। साथ ही अपनी अति विशिष्ट और सराहनीय सेवाओं की शुरूआत से लेकर आज तक मरीजों को देखने के लिए रात में भी राउंड खुद लगाते हैं। इसी के साथ अपनी सफल संतोषजनक चिकित्सकीय सेवाओं के फलस्वरूप कानपुर कार्डियोलॉजी को राष्ट्रीय स्तर की ख्याति दिलाने वाले, विभिन्न हृदय रोगों से संबंधित हृदय, फेफड़ा, धमनियों का सफल ऑपरेशन कर 24 हजार से ज्यादा लोगों की जान बचाने, प्रतिवर्ष कम से कम 70000 हृदय रोगियों को देखकर अपनी संतोषजनक का लाभ पहुंचाने का भी रिकार्ड परोपकारी स्वभाव के व्यवहार कुशल शल्य चिकित्सा क्षेत्र के अभूतपूर्व महारथी विख्यात कार्डियक सर्जन प्रोफेसर डॉक्टर राकेश कुमार वर्मा के ही नाम है।

लूलू मोल की हींग लगी न फिटकड़ी फ्री में पब्लिसिटी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पिछले एक सप्ताह से लुलु मॉल चर्चा में है। शुरूआत यहां मॉल के उद्घाटन के बाद कुछ लोगों के नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल होने से हुई। बाद में दो युवकों ने सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर अंदर हनुमान चालीसा पढ़ने का वीडियो वायरल कर दिया। इन दोनों घटनाओं के बाद मॉल में खासी भीड़ देखने को मिल रही है। इसके अलावा, हिंदू संगठन भी मॉल के बाहर प्रदर्शन करने की चेतावनी दे रहे हैं। ग्राउंड रिपोर्ट में जब लोगों से बात की और ये जानने की कोशिश कि आखिर लुलु मॉल में अचानक भीड़ क्यों बढ़ रही है? बातचीत के दौरान लोगों ने बताया कि हमें पता चला है कि यहां पर नमाज पढ़ी गई थी। हम लुलु मॉल में वो जगह देखने आए हैं। आखिर वह स्थान कहां पर है। यही नहीं, कुछ लोगों का कहना था कि लुलु मॉल को लगातार हम टीवी पर देख रहे हैं। हमें बड़ी उत्सुकता थी अंदर मॉल देखने की। हम ये जानना चाहते थे कि आखिर इसके अंदर क्या हो रहा है। हम मॉल को देखने आए हैं। लुलु मॉल में कई मुस्लिम फैमिली भी आते देखी गईं। इनका कहना था कि लुलु मॉल देश के बाहर भी हैं। काफी अच्छा बना हुआ है। ऐसे में हम लोग इसको देखने आए हैं। हमें कंट्रोवर्सी से मतलब नहीं है। हम मॉल की खासियत देखने आए कुछ लोगों का कहना था कि मॉल काफी अच्छा बना हुआ है। हमें कंट्रोवर्सी से मतलब नहीं है। जिस तरीके से मॉल में दिखाया जा रहा है, उसको हम देखने आए हैं कि आखिर क्या खास बात है। हनुमान चालीसा की जानकारी करने आए हैं कई लोगों का मानना है कि लुलु मॉल में हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, नमाज की बात हो रही है। हम ये देखने आए हैं कि ये आखिर कैसा है। इसमें हनुमान चालीसा लोग पढ़ रहे हैं, इसकी जानकारी करने आए हैं।

नमाज पढ़ने के आरोप में 4 हिरासत में

बता दें कि पुलिस ने आज 4 लोगों को हिरासत में लिया है। इन पर नमाज पढ़ने का आरोप था। इससे पहले सिक्योरिटी गार्ड ने हनुमान चालीसा पढ़ने वाले दो युवकों को पकड़ा था, जिन्हें बाद पुलिस के हवाले करने कर खबर आई थी। इन घटनाओं के बाद मॉल की सुरक्षा की बढ़ा दी गई है। मॉल के अंदर चेतावनी के बोर्ड भी लगा दिए हैं। इनमें साफ लिखा गया है कि मॉल में किसी भी धार्मिक प्रार्थना की अनुमति नहीं है। पुलिस भी तैनात की गई है। मॉल की ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है।

विप्र सेना यूवा प्रकोष्ठ बीकानेर शहर ने स्थापना दिवस की शुरूवात, गौ माता को हरा चारा डालकर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। विप्र सेना यूवा प्रकोष्ठ बीकानेर शहर द्वारा विप्र सेना स्थापना दिवस पर जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सारस्वत के नेतृत्व में गो माता का पूजन कर हरा चारा व गुड़ डाला गया। बीकानेर प्रभारी पवन कुमार सारस्वत ने बताया कि विप्र सेना ने दो साल में समाज के लिए बहुत सराहनीय कार्य किए गए है। साथ ही इस उपलक्ष में शाम को सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन डूडी पेट्रोल के पास राम मन्दिर में रखा गया है। जिसमे समाज के सभी गणमान्य लोग उपस्थित होगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्या आप भी हैं टूटते नाखूनों से परेशान ? लहसुन की एक कली दिखाएगी कमाल

नाखून अगर पूरी शेप में हो तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है। बहुत सी लड़कियों की अक्सर यह शिकायत रहती है कि उनके नाखून बढ़ने के कुछ दिन बाद ही टूट जाते हैं। जिसकी वजह से उनके हाथों की लुक्स फीकी पड़ जाती है।नाखून टूटने की बहुत सारी वजह हो सकती हैं जैसे कि हॉर्मोनल बदलाव और पोषण तत्वों की कमी। तो चलिए आज हम जानते हैं कि आखिर किस तरह से इनकी खूबसूती और मजबूती को बरकरार रखा जा सके...

मजबूती के लिए अपनाएं ये टिप्स...

लहसुन की कली

लहसुन की एक कली का छिलका उतार कर इसे अपने नाखूनों पर 10 मिनट के लिए रगड़े। ऐसा हफ्ते में 3 से 4 बार करने पर आपको रिजल्ट दिखने लग जाएगा। लहसुन रगड़ने से नाखूनों का पीलापन भी दूर होता है।

संतरे का रस और अंडा

अंडे के सफेद हिस्से में 2 चम्मच संतरे का रस मिलाकर नाखूनों की मालिश करें। इससे नाखूनों को मजबूती मिलेगा। संतरे में मौजूद विटामिन सी नाखूनों को मजबूत करने के साथ-साथ उनकी नैचुरल शाइन भी कायम रखता है।

ऑलिव ऑयल

जैतून का तेल यानि ऑलिव ऑयल लगाने से भी नाखूनों को मजबूती मिलती है। ऑयल में मौजूद विटामिन-ई नाखूनों को पोषण प्रदान करने के साथ-साथ इन्हें तेजी से बढ़ाने में भी मदद करता है।

नारियल का तेल

नारियल के तेल में फैटी एसिड तथा अन्य पोषण तत्व पाए जाते हैं। गरी के तेल से नाखूनों की मसाज करना बेहद फायदेमंद रहता है। नारियल तेल लगाकर कम से कम 5 मिनट के लिए नाखूनों को आपस में रगड़ें। ऐसा करने से बहुत जल्द नाखून बढ़ेंगे भी और टूटेंगे भी नहीं।

एप्पल साइडर वेनिगर

आप चाहें तो एक चम्मच एप्पल साइडर विनेगर में एक टीस्पून घिसा लहसुन मिलाकर, इसे 10 मिनट के लिए नेल्स पर लगा रहने दें। इस-के बाद साफ पानी से हाथ धो लें।

बायोटिन कैपसूल्स

अगर आपके नाखून बहुत कम स्पीड में बढ़ते हैं या फिर जल्द टूट जाते हैं तो आप बायोटिन कैपसूल्स भी ले सकती हैं। इनके सेवन से नाखून अंदरुनी तौर पर मजबूत बनेंगे। बायोटिन फूड यानि अंडे, मछली और सोया का भी अधिक से अधिक सेवन करें।

अच्छी कंपनी का नेलपेंट

अगर आप नेलपेंट लगाने की शौकीन हैं तो हमेशा अच्छी कंपनी के नेल पेंट का ही इस्तेमाल करें। हो सकता है उसकी कीमत कुछ ज्यादा हो लेकिन नाखूनों को प्रकृतिक रुप से खूबसूरत बनाए रखने के लिए एक अच्छे नेल पेंट का चुनाव जरुरी है।

डाइट पर ध्यान दें

हर वक्त नाखूनों पर नेल-कलर लगाए रखना भी ठीक नहीं होता। नेल-पेंट में मौजूद कैमिकल्स नाखूनों को नुकसान पहुंचाते हैं। जिस वजह से नाखून धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लग जाते हैं। हर 15 दिन के बाद नेल पेंट रिमूव करके नाखूनों की अच्छे से मसाज करें। ऐसा करने से नाखून बेमतलब कभी नहीं टूटेंगे।

जरुरत से ज्यादा चाय करती है ये नुकसान

दुनिया भर में कहीं भी चले जाओ और कोई चीज मिले न मिले चाय आपको जरुर मिल ही जाएगी। दूध, छाछ और अनेकों हैल्दी ड्रिंक्स पीने वाले भारतीयों ने जहां चाय कभी टेस्ट नहीं की थी अब हर घर का हिस्सा बन गई है। चाय पीना कोई गलत बात नहीं है पर जैसा कि आप जानते हैं कि अति हर चीज की ही बुरी होती है। कई लोग दिन में पानी पीने से ज्यादा चाय पीते हैं। ऐसे में शायद वह जानते नहीं कि वह खुद के लिए कितनी बड़ी मुसीबत मोल ले रहे हैं। तो चलिए आज जानते हैं जरुरत से अधिक चाय पीने के नुकसान...

घबराहट और बेचैनी बढ़ाती है चाय - ज्यादा चाय पीना घबराहट और बेचैनी बढ़ाता है। चाय में कैफीन की मात्रा ज्यादा होती है इसलिए इसका सीधा असर आपके दिलो-दिमाग पर पड़ता है।

पेट में गैस की समस्या - खाली पेट चाय पीने से सीने में जलन, पेट में गैस और इनडाइजेशन जैसी परेशानियां आपको झेलनी पड़ सकती है।

हड्डियां होती हैं कमजोर - इंगलैंड में चाय पर हुई एक स्टडी के मुताबिक अधिक चाय पीने से हड्डियां भी कमजोर होती हैं। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की स्टडी के अनुसार ज्यादा गर्म चाय पीने से पेट को जोड़ने वाली नलियों पर असर पड़ सकता है जिससे पेट का कैंसर भी हो सकता है।

चिड़चिड़ा बनाती है ज्यादा चाय - हद से ज्यादा चाय पीना इंसान को इसका आदि बना देता है जिस पर इसके न मिलने पर बेहद थकान महसूस होती है और कई बार इंसान चिड़चिड़ापन भी महसूस करने लगता है।

नींद न आना - अगर आप दिन में 2 कप से ज्यादा चाय पीते हैं तो आपको रात के वक्त नींद न आने की परेशानी हो सकती है। कई लोग रात के खाने के बाद चाय पीते हैं, इससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है।

किडनी पर बुरा प्रभाव - अधिक चाय पीने का असर किडनी पर भी पड़ता है। खासतौर पर डायबटिक पेशेंट को ज्यादा मात्रा और ज्यादा गर्म चाय बिल्कुल नहीं पीनी चाहिए। इसका पूरा असर पेशेंट की किडनी पर पड़ता है।

जरुरी मिनरलस - ज्यादा चाय पीने से यूरिन भी बार-बार आता है और इससे बॉडी से कई जरूरी मिनरलस बाहर निकल जाते हैं।

त्वचा को नुकसान - चाय स्किन प्रॉब्लम को भी जन्म देती है। अधिक चाय पीने वालों के चेहरे पर कील-मुहांसे बहुत अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।

पतले आइब्रो को घना करने के लिए रात को फॉलो करें ये टिप्स

घनी और खूबसूरत शेप वाली आइब्रो ना सिर्फ आंखों बल्कि चेहरे की पर्सनैलिटी बढ़ाने का काम करती हैं। आइब्रो को परफेक्ट शेप्ड भी तभी दिया जा सकता है जब उसकी ग्रोथ घनी हो। नहीं तो अधिकतर महिलाएं अपनी लाइट व पतली आइब्रो का रोना रोती रहती हैं। वैसे आइब्रो पेंसिल के जरिए तो इनका घना व परफेक्ट शेप दिया जा सकता है लेकिन अगर आप नैचुरल अपनी आइब्रो को घना व मोटा बनाना चाहती हैं तो आप हम आपको कुछ घरेलू टिप्स बताएंगे जिनके इस्तेमाल से आपकी आइब्रो को मनचाहा शेप मिलेगा और आपको बार-बार आइब्रो पेंसिल की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

आइब्रो को मोटा करने के टिप्स

अंडे की जर्दी - अंडे की जर्दी को ब्लैंड करके पतला पेस्ट बना लें। अब इसे ब्रश और क्यू-टिप की मदद से अपनी आइब्रो पर अप्लाई करें। फिर 20 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो दें। इससे आइब्रो हेयर की ग्रोथ तेजी से बढ़ेगी।

दूध - कटोरी में थोड़ा सा दूध लेकर उसमें रूई में भिगों लें। फिर हल्के हाथों से इसे अपनी आइब्रो पर अप्लाई करें और 15-20 मिनट के लिए सूखने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो दें और मॉइश्चराइजर लगाएं।

नींबू - नींबू भी बालों की ग्रोथ बढ़ाता है। इसलिए नींबू का एक टूकड़ा अपनी आइब्रो पर रब करें और फिर 20 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। आप चाहे तो नींबू के छिलके को नारियल तेल में भिगोकर रखें और फिर रात को सोने से पहले इस तेल को रूई की मदद से अपनी आइब्रो पर लगाएं। फिर सुबह धो लें।

कैस्टर ऑयल - अपनी उंगुलियों की मदद से अपनी आइब्रो पर कैस्टर ऑयल लगाकर मसाज करें। ध्यान रहे कि मसाज हल्के हाथों से करें और 30 मिनट तक करें। इसके बाद मेकअप रिमूवर या गुनगुने पानी से इसे पोंछ लें।

नारियल तेल - कैस्टर ऑयल की तरह नारियल तेल भी काफी कारगर साबित होता है। आप चाहे तो रूई की मदद से नारियल तेल को अपनी आइब्रो पर अप्लाई कर सकती हैं। ध्यान रखें कि इसका इस्तेमाल रात को सोने से पहले करें और रातभर के लिए इसे यूं ही छोड़ दें। फिर सुबह फेस वॉश से अपने चेहरे को धो लें।

प्याज का रस - प्याज में सल्फर होता है जो आईब्रो की ग्रोथ बढ़ाता है। ऐसे में प्याज का पेस्ट बनाकर उसका रस निकाल लें। अब इस रस को अपनी आइब्रो पर लगाएं। इससे ब्लड सकुर्लेशन बढ़ेगा और आइब्रो के बाल घने होंगे।

एलोवेरा जैल - एलोवेरा जैल या इसकी ताजी पत्तियों से निकला जैल आइब्रो ग्रोथ बढ़ने में मदद करता है। एलोवेरा, आईब्रो के बालों को न्यूट्रिशन देकर डैमेज बालों ठीक करता है। इसलिए रोजाना सोने से पहले एलोवेरा जैल को आइब्रो पर लगाएं और हल्के से मसाज करें। फिर सुबह धो दें।

विटामिन ए तेल - विटामिन ए का तेल भी बालों की ग्रोथ बढ़ाता है। इसलिए रात को सोने से पहले विटामिन ई कैप्सूल्स ऑयल से आइब्रो की मसाज करें और रातभर के लिए यूं ही छोड़ दें। ऐसा लगातार 10 दिनों तक करें। आपको खुद ब खुद फर्क नजर आने लगेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

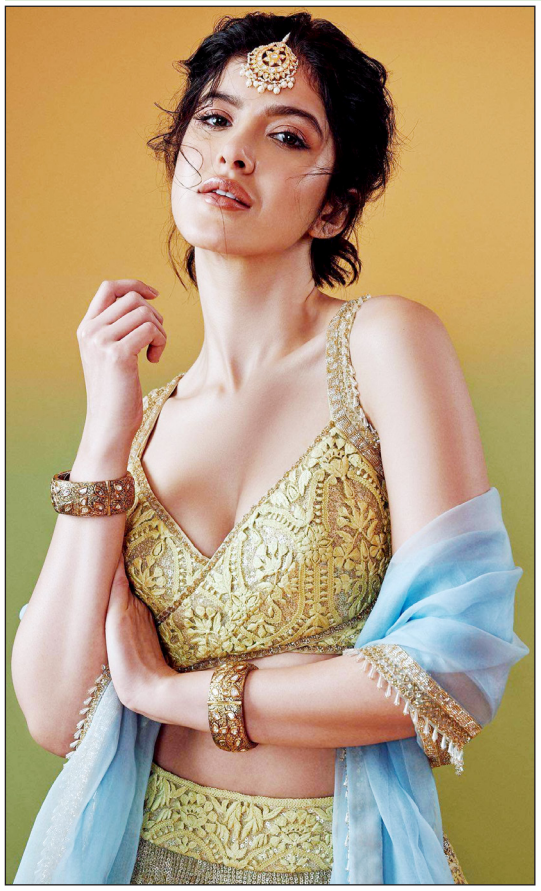

क्या शनाया कपूर की डेब्यू फिल्म पर लग गया ताला

बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर की लाडली शनाया कपूर की डेब्यू की चर्चा पिछले काफी समय से बी-टाउन में छाई हुई है। स्टारकिड्स का बॉलीवुड डेब्यू के लिए पहचाने जाने वाले फिल्म मेकर करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही फिल्म बेधड़क से शनाया अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा लीड रोल में नजर आने वाले है। मगर बीते कुछ समय से फिल्म का डिब्बाबंद होने की खबरें आ रही थी। फिल्म को लेकर ऐसी खबरें थी कि शनाया की डेब्यू फिल्म शूटिंग शुरू होने से पहले ही बंद हो गई है। ऐसे में अब बेधड़क को लेकर करण जौहर ने नया अपडेट शेयर किया है। नए अपडेट के साथ ही फिल्म मेकर्स ने फिल्म से जुड़े सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। करण जौहर ने शनाया और बाकि दोनों मेल लीड एक्टर्स की फोटोज का कोलाज शेयर कर फिल्म को लेकर नया अपडेट साझा किया है। इस फोटो को शेयर करते हुए करण ने इसके कैप्शन में लिखा, 'शनाया कपूर, गुरफतेह पीरजादा और लक्ष्य अगले साल बड़े पर्दे पर दस्तक देने के लिए तैयार।

'तेहरान' में जॉन अब्राहम संग स्टंट करती दिखेंगी मानुषी छिल्लर

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर के हुस्न के चर्चे हर तरफ होते है। मानुषी ने फिल्म 'पृथ्वीराज' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करके सबको दिखाया कि वो सिर्फ खूबसूरत ही नहीं, बल्कि एक कमाल की अदाकारा भी है। मानुषी ने अपनी पहली फिल्म में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार के साथ काम किया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भले ही ज्यादा कमाल न दिखा पाई हो, लेकिन फिल्म में मानुषी की अदाकारी की तारीफ जरूर हुई। पहली फिल्म में जमकर तारीफें बटोरने के बाद मानुषी अब अपनी दूसरी बड़ी फिल्म के लिए तैयार नजर आ रही है। 'पृथ्वीराज' जैसी बड़ी फिल्म में काम करने के बाद मानुषी छिल्लर अब एक्टर जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रही है। मानुषी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम के साथ एक से बढ़कर एक स्टंट करती नजर आने वाली है। मानुषी ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की है, जिससे इस फिल्म में मानुषी का लुक लोगों के सामने आ गया है। वहीं मानुषी का लुक इन तस्वीरों में काफी दमदार नजर आ रहा है। मानुषी छिल्लर ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने यह जानकारी दी कि वह फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम के साथ काम करने वाली है। मानुषी ने दो तस्वीरें शेयर की है। एक तस्वीर में मानुषी फिल्म शूटिंग के क्लैपबोर्ड को पकड़े दिख रही है, तो वहीं दूसरी तस्वीर में जॉन अब्राहम के साथ नजर आ रही है। दोनों हाथों में गन पकड़े हुए हैं। फिल्म 'तेहरान' में मानुषी जॉन अब्राहम के साथ लीड रोल में नजर आने वाली हैं। खबरों की मानें तो, फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

ऋतिक रोशन कर रहे है फिर दूल्हा बनने की तैयारी

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी लाइफ के हैप्पी फेज को एन्जॉय कर रहे है। ऋतिक और सबा आजाद के रिलेशनशिप के चर्चे बॉलीवुड गलियारों में खूब सुनाई देते है। अब दोनों अक्सर साथ दिखाई देते है और बात इतनी सीरियस हो चुकी है कि इस लव स्टोरी में कपल की फैमिलीज भी इन्वॉल्व हो चुकी है। ऐसे में अब उड़ती- उड़ती खबरे आ रही है कि ऋतिक रोशन जल्द ही दूसरी शादी कर सकते है। बता दे, ऋतिक रोशन करीब 8 साल पहले अपनी पहली पत्नी सुजैन खान से अलग हो गए थे। हालांकि अलग होने के बावजूद दोनों अभी भी अच्छे दोस्त है। हालांकि ऋतिक जहां सबा आजाद के साथ है, वहीं सुजैन खान अर्सलान गोनी को एते कर रही हैं। इतना ही नहीं सबा और सुजैन में भी अच्छी बॉन्डिंग है। वही, दूसरी ओर ऋतिक रोशन और सबा आजाद अक्सर एक दूसरे के साथ स्पॉट किए जाते हैं। सोशल मीडिया पर दोनों एक- दूसरे की तारीफ करते नहीं थकते। दोनों एक दूसरे के साथ खुश रहते हैं, हॉलीडेज पर साथ जाते हैं और कहा जा रहा है कि एक दूसरे को लेकर काफी सीरियस भी हैं। हालांकि एक्टर ने कभी सबा के साथ रिलेशनशिप को लेकर कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है। लेकिन अब शादी को लेकर कुछ खबरे सामने आ रही है। लेकिन सच्चाई ये है कि शादी को लेकर सबा और ऋतिक किसी जल्दीबाजी में नहीं हैं। ये दोनों ही अभी एक दूसरे का साथ एन्जॉय कर रहे हैं।